महत्वपूर्ण एवं खास

बैंक में ग्रामीण के 3 लाख रूपए लेकर फरार हुआ अज्ञात व्यक्ति, कोतवाली थाने में अपराध दर्ज

रायगढ़। थाना कोतवाली में भगवानपुर थाना कोतरारोड में रहने वाले पालूराम पटेल द्वारा गत दिनांक 22.05.2023 को रिपोर्ट दर्ज कराया कि वर्ष 2021 में अपनी डेढ एकड जमीन को 10 लाख रूपये में बिक्री किया था, बिक्री रकम में 2-2 हजार के 150 नोट कुल 03 लाख रूपये मिले थे , उसे लेकर सुबह करीब 11:30 बजे ढिमरापुर चौक पर स्थित युनियन बैंक पर नोट बदलने के लिये आया था। बैंक गार्ड को जमा पर्ची भरने के लिये बोला, उसी समय एक व्यक्ति जिसे पहले भी कई बार गांव में देखा था। उस अज्ञात व्यक्ति ने 2-2 हजार के नोट बदली में उसे तीन लाख रूपये 5-5 सौ का नोट देना बताया और 5 सौ रूपये के नोट की गड्डी भी दिखाया। वहीं अज्ञात व्यक्ति ने पालूराम पटेल को बैंक में उसके पास नकद 02 लाख होना और 01 लाख रूपये लेकर आता हूं कहकर पालूराम से 03 लाख रूपये लेकर चला गया और वापस नहीं आया। थाना कोतवाली में अज्ञात आरोपी के विरूद्ध चोरी का अपराध दर्ज कर बैंक के सीसीटीवी फुटेज से अज्ञात आरोपी की पतासाजी की जा रही है।

रायपुर में कल होगी भृत्य पद की ईमला परीक्षा

सारंगढ़ बिलाईगढ़। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय नवा रायपुर और सीजी पीएससी के भृत्य पद के द्वितीय चरण की परीक्षा शुद्धलेखन (ईमला) का आयोजन परीक्षा केंद्र जे आर दानी शासकीय गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल कालीबाड़ी चौक रायपुर में 25 मई 2023 गुरुवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक किया गया है।

गरीब रथ एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में लगी आग

रायपुर (आरएनएस)। दुर्ग से लखनऊ के लिए निकली गरीबरथ के एक बोगी में आज दोपहर लगी अचानक आग से हडक़ंप मच गया। इस ट्रेन के स्लीपर कोच-4 में यह आग लगी थी। रेलवे सूत्रों ने बताया कि दुर्ग से लखनऊ के लिए रवाना हुई गरीब रथ एक्सप्रेस आज दोपहर करीब 12.33 बजे रायपुर रेलवे स्टेशन पहुंची थी। यह ट्रेन जैसे ही प्लेटफार्म पर पहुंची, कुछ लोगों ने एस-4 से धुंआ निकलता देख रेलवे अमले को इसकी सूचना दी। बताया जाता है कि तत्काल रेलवे का बल मौके पर पहुंचा और बोगी की जांच की। इस दौरान सुरक्षा के लिहाज से सभी यात्रियों को उतार दिया गया था और दूसरी बोगियों में शिफ्ट कर दिया गया था। यह आग कैसे लगी, इसकी जानकारी नहीं मिल पाई थी। समाचार लिखे जाने तक इस ट्रेन के एस-4 को ट्रेन से अलग करने की कवायद जारी थी।

शहर में सिटी बस व ऑटो चालकों के बीच फिर हुई जमकर मारपीट

कोरबा (आरएनएस)। कोरबा शहर में ऑटो चालक व सिटी बसों के बीच विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को फिर से दोनों पक्ष के बीच सवारी को लेकर जमकर मारपीट हुई हैं। विवाद इतना बढ़ गया कि सिटी बस व ऑटो संघ ने अपना-अपना परिवहन ठप्प कर दिया है और पुराना बस स्टैंड में दोनों ने अपने-अपने वाहनों को खड़ा कर दिया है। जहां सिटी बस के चालक सुरक्षा की मांग कर रहे हैं तो वहीं दूसरी और ऑटो चालक भी अपने सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। ऑटो चालकों का कहना है कि सिटी बस के खिलाफ कई बार उन्होंने शिकायत की है लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हो रही है, जिसके चलते इस तरह की स्थिति निर्मित हो रही है। बार-बार ऑटो चालकों और सिटी बस कर्मचारियों के बीच मारपीट होने से शहर की अमन.चैन बुरी तरह से प्रभावित हो रही है। जिला प्रशासन को मामले को गंभीरता से लेते हुए मामले की जांच करना चाहिए और दोषी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

राजस्व मामलों के निराकरण में लोगों को न हो समस्या -कलेक्टर

- तमनार की एनआरसी को माह अंत तक पूरा करने के निर्देश
- रीपा से जुड़ने वाली समूहों की करवाए ट्रेनिंग, कलेक्टर सिन्हा ने किया निर्देशित
- पेंशन प्रकरणों के निराकरण की 1 वर्ष पहले से शुरू करें तैयारी
- कलेक्टर सिन्हा ने की वृक्षारोपण अभियान व आयुष्मान कार्ड निर्माण की समीक्षा
- कलेक्टर सिन्हा ने ली समय-सीमा की बैठक

रायगढ़। सभी एसडीएम, तहसीलदार और नायब तहसीलदार यह सुनिश्चित करें कि पटवारियों की अनुपस्थिति के चलते राजस्व मामलों के निराकरण में लोगों को समस्या न हो यह सुनिश्चित करने के निर्देश आज समय-सीमा बैठक के दौरान कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने दिए। उन्होंने कहा सीमांकन, बटांकन, नामांतरण सहित दूसरे सभी मामलों में राजस्व अधिकारी विशेष रूप से पूरी सक्रियता के साथ नियमित कार्यवाही करें। उन्होंने इस संबंध में अधीक्षक, लैंड रिकॉर्ड व नजूल के अधिकारियों को भी निर्देशित किया।

कलेक्टर सिन्हा ने बैठक में निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने स्कूलों के निर्माण कार्य के प्रगति की समीक्षा की। इसके साथ ही छाल और मुकड़ेगा में बन रहे तहसील कार्यालय का निर्माण भी पूरी गुणवत्ता से करने के निर्देश उन्होंने दिए। कलेक्टर सिन्हा ने इसके साथ आयुष्मान कार्ड निर्माण की प्रगति की समीक्षा की। प्रभारी अधिकारी ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से लगातार कैम्प लगाए जा रहे हैं। जिससे अब कार्ड निर्माण में प्रगति दिख रही है। कलेक्टर सिन्हा ने कार्ड निर्माण का अभियान जारी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने वृक्षारोपण अभियान की तैयारियों की भी समीक्षा की और विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वृक्षारोपण से जुड़ी सारी तैयारियां पूरी कर लें। प्लांटेशन के लिए गड्ढे खोदने और फेंसिंग की तैयारी रखने के लिए कहा। कलेक्टर सिन्हा ने खेल विभाग द्वारा विभिन्न विकासखंडों में करवाए जा रहे खेल ट्रेनिंग के बारे में भी जानकारी ली।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत अबिनाश मिश्रा, अपर कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े, नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

तमनार में एनआरसी माह अंत तक करें पूरा- कलेक्टर सिन्हा ने बैठक में स्वास्थ्य विभाग में चल रहे काम काज की भी समीक्षा की। उन्होंने तमनार में एनआरसी (पोषण पुनर्वास केंद्र) की शुरुआत इस माह के अंत तक पूरी करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही छाल में भी एनआरसी शुरू करने के लिए भवन चिन्हांकित करने के लिए कहा। धरमजयगढ़ और पुसौर में तैयार हो रहे हमर लैब का काम भी जल्द पूरा करने के लिए कहा।

रीपा में करवाएं स्किल ट्रेनिंग- कलेक्टर सिन्हा ने रीपा से जुड़े महिला समूहों की ट्रेनिंग को लेकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि यहां जो गतिविधियां चल रही हैं महिला समूहों की ट्रेनिंग सुनिश्चित हो। जिससे महिलाएं अपने काम में दक्ष हो तथा उनके उत्पाद की गुणवत्ता बेहतर हो।

राष्ट्रीय रामायण महोत्सव के आयोजन के संबंध में दिए निर्देश- रायगढ़ के रामलीला मैदान में 1 से 3 जून तक राष्ट्रीय रामायण महोत्सव का आयोजन होने जा रहा है। जिसकी तैयारियों को लेकर कलेक्टर सिन्हा ने विभागीय अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि संस्कृति विभाग के तत्वाधान में आयोजित राष्ट्रीय रामायण महोत्सव की मेजबानी का मौका रायगढ़ को मिला है, अत: जिस विभाग को जो जिम्मेदारी मिली है उसे समय-सीमा में पूरा करें।

पेंशन प्रकरणों के निराकरण की 1 वर्ष पहले से शुरू करें तैयारी- कलेक्टर सिन्हा ने पेंशन प्रकरणों के संबंध में सभी आहरण संवितरण अधिकारियों को रिटायर होने वाले कर्मचारी के प्रकरण की तैयारी 1 वर्ष पहले शुरू करने के लिए कहा। जिससे सेवानिवृत्ति के दिनांक तक पेंशन निर्धारण से जुड़ी सारी फॉर्मेलिटी पूरी हो सके और सेवानिवृत्ति पर उसे उसके स्वत्वों का भुगतान किया जा सका और संबंधित अधिकारी कर्मचारी को रिटायरमेंट के पश्चात अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। पेंशन प्रकरणों के निराकरण के संबंध में संयुक्त संचालक कोष एवं लेखा द्वारा समय-सीमा के बैठक में जानकारी दी गई।

चाइल्ड पोर्नोग्राफी के आरोपी को चक्रधरनगर पुलिस ने आईटीआई कालोनी अम्बेडकर आवास से किया गिरफ्तार, भेजा रिमांड पर

रायगढ़। थाना प्रभारी चक्रधरनगर निरीक्षक प्रशांत राव आहेर के नेतृत्व में एनसीआरबी नई दिल्ली से प्राप्त होने वाले सायबर टीप लाइन की जांच करते हुए चक्रधरनगर पुलिस द्वारा ITI कालोनी अम्बेडकर आवास में रहने वाले उमाशंकर पाण्डेय को आईटी एक्ट की धारा 67(ख) के तहत गिरफ्तार कर रिमांड पर भेजा गया है।

जानकारी के मुताबिक एनसीआरबी नई दिल्ली की सायबर टीप लाइन जिले के सायबर सेल के माध्यम से थाना चक्रधरनगर को जांच के लिये प्राप्त हुआ था। थाना प्रभारी चक्रधरनगर निरीक्षक प्रशांत राव आहेर द्वारा टीप लाइन की जांच किया गया जिसमें पाया गया कि आईटीआई अंबेडकर आवास के रहने वाले उमा शंकर पांडे के द्वारा उसके मोबाइल से सोशल मीडिया पर चाइल्ड पोर्नोग्राफी कंटेंट अपलोड किया गया है जिसके बाद चक्रधरनगर पुलिस ने आरोपी उमा शंकर पांडे के घर पर दबिश देकर उसे हिरासत में लेकर थाने लाया गया। आरोपी से पूछताछ करने पर कुछ महीने पहले उक्त मोबाइल और सिम को गुम हो जाना बताया। थाना चक्रधरनगर में आरोपी उमा शंकर पांडे के कृत्य पर आईटी एक्ट की धारा 67 (ख) का अपराध दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। आरोपी की पतासाजी, गिरफ्तारी में थाना प्रभारी चक्रधरनगर निरीक्षक प्रशांत राव आहेर, प्रधान आरक्षक श्याम देव साहू एवं पेट्रोलिंग स्टाफ की प्रमुख भूमिका रही है।

गौठान से जुड़ी महिलाएं बना रही मिट्टी के बर्तन : कुकर, तवा और कढ़ाई भी बना रही महिलाएं, सी मार्ट में है उपलब्ध

- मिट्टी से बनी वाटर बॉटल की है अच्छी डिमांड
- मिट्टी के बर्तन स्वाद के साथ सेहत के लिहाज से माने जाते हैं बेहतर
- गौठानों में आजीविका गतिविधियों को मिल रहा बढ़ावा

रायगढ़। मिट्टी के बर्तन सेहत के लिए काफी फायदेमंद माने जाते हैं। खाना पकाने के दौरान धातु के बने बर्तनों के मुकाबले मिट्टी के बर्तन में कहीं ज्यादा मात्रा में पौष्टिक तत्व बरकरार रहते हैं। गर्मी के दिनों में मिट्टी के मटके के पानी के स्वाद और शीतलता के आगे सब फीका होता है। पीढिय़ों से मिट्टी के बर्तन हमारे खान-पान और जीवन शैली का हिस्सा रहा है। पहले गांवों में दही भी मिट्टी के बर्तन में ही जमाई जाती थी। कुल्हड़ की चाय का अपना स्वाद है। गर्मियों में पक्षियों की प्यास बुझाने घरों के बाहर मिट्टी के सकोरे रखने का चलन आज भी है। वक्त के साथ साथ मिट्टी से बने ये बर्तन चलन से बाहर होते चले गए और इनका प्रयोग सीमित हो गया।

किंतु रायगढ़ में आज महिलाएं भी ये मिट्टी के बर्तन बना रही हैं। जिन्हें सी-मार्ट के जरिए एक अच्छा बाजार मिल रहा है। लैलूंगा की राधारानी स्व-सहायता समूह की महिलाएं मिट्टी के बॉटल, कुकर, कढ़ाई, बर्तन बना रही हैं। समूह की हेमकुंवर कुराल बताती हैं कि वे मिट्टी के बॉटल बनाती हैं। जिनकी गर्मियों में खासी डिमांड रहती है। इसमें पानी ठंडा रहता हैए और इसको कहीं लाना ले जाना भी आसान है। इसके साथ ही वे मिट्टी की बनी कढ़ाई और कुकर भी बना रही है। लोकल लेवल पर विक्रय के साथ ही सी-मार्ट में भी उनके उत्पाद विक्रय के लिए रखा जा रहा है। वे बताती हैं कि उनका समूह राजपुर के गौठान से जुड़ा है। मिट्टी के बर्तन बनाने के साथ ही वे वर्मी कंपोस्ट निर्माण और सब्जी उगाने का कार्य भी करती रही हैं। अभी कोडासिया के रीपा से भी जुड़ी हुई हैं। उनके बनाए बर्तनों की स्थानीय स्तर के अलावा सी मार्ट में अच्छी मांग रहती है।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ शासन की गोधन न्याय योजना के तहत गौठानों में वर्मी कम्पोस्ट निर्माण के साथ महिला समूहों को विभिन्न आजीविका गतिविधियों में जोड़ा जा रहा है। जिससे महिलाएं आज आर्थिक रूप से स्वावलंबी हो रही हैं। घर खर्च में हाथ बंटा रही हैं। आजीविका संवर्धन को एक व्यवस्थित स्वरूप देने के लिए शासन ने ग्रामीण औद्योगिक पार्कों की स्थापना की शुरुआत भी की है। जिससे अब लोग गांवों में खेती-किसानी के साथ ही उद्यमिता की ओर बढ़ते हुए विभिन्न प्रकार की उत्पादक गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं।

श्रम विभाग असंगठित क्षेत्र के लोगों को विभागीय योजनाओं से करें लाभान्वित-कलेक्टर

- रीपा गोठानों के अलावा ब्लाकवार श्रमिकों के पंजीयन के लिए लगाएं शिविर
- औद्योगिक मांग अनुसार आईटीआई में स्वरोजगार प्रशिक्षण करें प्रदान
- आगामी रोजगार मेला के लिए तैयारी करने के दिए निर्देश

रायगढ़। शासन द्वारा असंगठित क्षेत्र में कार्य करने वाले श्रमिकों के लिए विभिन्न लाभकारी योजना संचालित हो रही है, जिसका लाभ अधिक से अधिक श्रमिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों को प्रदान करना सुनिश्चित करें। श्रम विभाग में इतनी महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित है, जिससे श्रमिकों के बच्चों को छात्रवृति के माध्यम से अतिरिक्त राशि मिलने से शिक्षा के माध्यम से उनका जीवन संवर सकता है। उक्त बातें कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने जिला व्यापार उद्योग, श्रम, औद्योगिक, रेशम, हथकरघा, हस्त शिल्प, खादी ग्रामोद्योग, योजना एवं सांख्यिकी तथा कौशल विकास विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक में श्रम विभाग को कही। बैठक में सीईओ जिला पंचायत अबिनाश मिश्रा भी उपस्थित रहे।

कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने श्रम विभाग के कार्यों की अद्यतन प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने मिनी माता महतारी जतन योजना, मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृति योजना, मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना, मेघावी छात्र-छात्रा योजना, मुख्यमंत्री नोनी शक्तिकरण सहायता योजना तथा विश्वकर्मा दुर्घटना मृत्यु पर अंत्येष्टि सहायता एवं अनुग्रह राशि भुगतान योजना जैसे विभिन्न विभागीय योजनाओं की जानकारी ली।

समीक्षा के दौरान कलेक्टर सिन्हा ने कहा कि श्रमिकों, गर्भवती महिलाए बच्चों के लिए विभिन्न योजनाओं का संचालन किया जा रहा है, जिसका आमजन को अपेक्षाकृत लाभ नहीं मिल रहा है। उन्होंने सभी रीपा गोठानों में काम करने वाले श्रमिकों का पंजीयन करने शिविर लगाने के निर्देश दिया। कलेक्टर सिन्हा ने विभागीय अधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद सीईओ के माध्यम से समन्वय कर ब्लॉकवार शिविर लगाए, श्रमिकों का पंजीयन, लाभ एवं योजनाओं की जानकारी प्रदान करना सुनिश्चित करें, जिससे अधिक से अधिक लोगों को योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने निगम सफाई कामगार योजना अंतर्गत सफाई कामगारों को योजना से लाभान्वित करने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर सिन्हा ने कहा कि गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य विभाग, श्रम एवं नरेगा जैसे योजनाओं से लाभ प्रदान करें। उन्होंने विभागीय अधिकारी को जनचौपाल के लंबित आवेदनों का अतिशीघ्र निराकरण के भी निर्देश दिए। कलेक्टर सिन्हा ने इस दौरान जिला व्यापार उद्योग के कार्यों की समीक्षा की। महाप्रबंधक जिला व्यापार उद्योग केन्द्र शिव कुमार राठौर ने बताया कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम अंतर्गत अभी तक लक्ष्य की प्राप्ति नहीं हुई है, परंतु विभाग द्वारा 27 प्रकरण बना के भेजा गया, जिसमें बैंक के माध्यम से 12 प्रकरण स्वीकृत हो चुके है। इसी प्रकार उद्योगों की स्थापना के तहत जिले में सूक्ष्म, लघु, वृहद मिला कर कुल 12 उद्योग स्थापित किए गए है, जिससे 217 लोगों को रोजगार मिला है। इसी प्रकार कलेक्टर सिन्हा ने खादी, औद्योगिक सुरक्षा, रेशम हस्त शिल्प की समीक्षा करते हुए जानकारी ली। हस्त शिल्प के विभागीय अधिकारी ने बताया कि तरडा में बेल मेटल, कोसमनारा में बांस तथा सुपा में ट्रेनिंग प्रस्तावित है। इसके विक्रय हेतु प्रदर्शनी एवं सी-मार्ट में भेजा जाएगा। रेशम विभाग द्वारा बताया गया कि वृक्षा रोपण में अर्जुन के पौधे रोपे जायेंगे। कलेक्टर सिन्हा ने खादी ग्रामोद्योग को संबलपुरी गोठान का निरीक्षण कर विभागीय योजना के लाभ प्रदान करने के लिए निर्देशित किया। कलेक्टर सिन्हा ने योजना एवं सांख्यिकी विभाग को विधायक, सांसद से प्रस्ताव लेकर राशि स्वीकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला रोजगार अधिकारी को आगामी रोजगार मेला की तैयारी करने के निर्देश देते हुए, कहा कि आईटीआई में स्थानीय उद्योगों के मांग अनुसार युवाओं को ट्रेनिंग प्रदान करना सुनिश्चित करें, ताकि स्थानीय उद्योगों में युवाओं को रोजगार मिल सके।

छेड़खानी और दुष्कर्म के आरोपी को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा रिमांड पर

रायगढ़। कोतवाली पुलिस ने आज महिला से दुष्कर्म एवं नाबालिक बालिका से छेड़खानी के आरोप में आरोपी रमाकान्त मिंज पिता ननकीदाऊ मिंज उम्र 40 साल निवासी ग्राम कोसमनारा थाना कोतरारोड़, जिला रायगढ़ को गिरफ्तार कर रिमांड पर भेजा गया है।

पीड़ित महिला आवेदन देकर बताई कि रमाकांत मिंज किसी केस में रायगढ़ जेल में निरूद्ध था, कुछ दिनों पहले जमानत पर रिहा हुआ है, इसके पति के साथ जान पहचान होने से रमाकांत का घर आना-जाना था। महिला बतायी कि रमाकांत उसे डरा धमकाकर कई बार दुष्कर्म किया है।

वहीं आरोपी रमाकांत मिंज पर नाबालिक बालिक से छेड़छाड़ का लिखित आवेदन भी थाना कोतवाली में प्राप्त हुआ है। कोतवाली पुलिस आरोपी रमाकांत मिंज पर पृथक-पृथक महिला से दुष्कर्म और बालिका से छेड़खानी का अपराध दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर रिमांड पर भेजा गया जहां से उसे जेल दाखिल किया गया है।

विद्यार्थियों को पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु बैंक खाता में आधार सीडिंग कराने की अंतिम तिथि आज

सारंगढ़ बिलाईगढ़। वर्ष 2022-23 के ऑनलाईन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत विद्यार्थियों के छात्रवृत्ति का भुगतान भारत सरकार, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा डायरेक्ट बेनिफिसरी ट्रांसफर के माध्यम से किया जा रहा है। इस योजना अंतर्गत विद्यार्थियों के बैंक खाता क्रमांक को आधार से सीडिंग एवं एनपीसीआई मैपिंग एनेबल होने के पश्चात् ही विद्यार्थियों के खाते में छात्रवृत्ति राशि हस्तांतरित की जाएगी। जिले में संचालित समस्त शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालय, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कालेज, नर्सिंग कॉलेज, आई.टी.आई. एवं पालीटेक्निक के प्राचार्य, संस्था प्रमुख, छात्रवृत्ति प्रभारियों को निर्देशित करते हुए संस्था में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को विभाग द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति का लाभ प्रदान करने के लिए बैंक खाता को अंतिम तिथि 24 मई 2023 तक आधार सिडिंग कराने कहा गया है।

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कालेज स्तर) का पंजीयन/स्वीकृति एवं भुगतान विभागीय पोर्टल https://postmatric-scholarship.cg.nic.in/ के माध्यम से किया जा रहा है। भारत सरकार के नियमानुसार विद्यार्थियों को पीएफएमएस के माध्यम से आधार आधारित छात्रवृत्ति का भुगतान किया जा रहा है, जिसमें विद्यार्थियों का बैंक खाते का आधार से सीडिंग होना अनिवार्य है।

विद्यार्थियों के बैंक खाते का आधार सीडिंग नहीं होने के कारण छात्रवृत्ति का भुगतान किया जाना संभव नहीं हो रहा है। वर्ष 2022-23 के ऐसे विद्यार्थी जिनका छात्रवृत्ति भुगतान नहीं हुआ है वे तत्काल अपना व्यक्तिगत बैंक खाता को आधार सीडिंग कराकर 24 मई 2023 तक कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कलेक्टोरेट परिसर सारंगढ़ में संपर्क कर सकते है।

जिला चिकित्सालय में क्लब फूट वाले बच्चों का हो रहा बेहतर इलाज

- अब तक 159 बच्चे हुए लाभान्वित
- क्लब फूट से प्रभावित बच्चे हुए स्वस्थ, चल रहे अपने पैरों पर

रायगढ़। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा के निर्देशन एवं सीएमएचओ डॉ.मधुलिका सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में शासकीय जिला चिकित्सालय रायगढ़ में अब तक 159 क्लब फूट वाले बच्चों को ठीक किया गया है। यह सब संभव हो पाया फिजियोथैरेपिस्ट डॉ.सिद्धार्थ सिन्हा एवं क्यूर इंटरनेशनल टीम की कोआर्डिनेटर गीता साहू के सहयोग से जिन्होंने ऑपरेशन और पानसेन्टी टेक्निक के द्वारा प्लास्टर एवं डेनिस ब्राउन इस्पिलिंट डे कर पैरो को ठीक किया गया। आज वे सभी बच्चे स्वस्थ है और अपने पैरों से चल पा रहे है। इसमें हड्डी रोग विभाग की टीम डॉ.आर.के.गुप्ता, डॉ.दिनेश पटेल एवं डॉ.आकाश पण्डा का विशेष योगदान रहा।

सिविल सर्जन डॉ.आर.एन.मंडावी ने बताया कि एक रिसर्च के अनुसार प्रत्येक 1000 जन्मों में से 1 बच्चा क्लबफुट से अवश्य प्रभावित होता है। यह संख्या अलग-अलग देशों में अलग-अलग हो सकती है। यदि क्लबफुट का इलाज सही समय पर और सही तरीके से न किया जाये तो इसका परिणाम आजीवन विकलांगता और असहनीय दर्द हो सकता है। इसके विपरीत यदि इस बीमारी का जन्म के ठीक बाद इलाज कर लिया जाये तो इस स्थिति में सुधार के लिए सर्जरी की भी आवश्यकता नहीं पड़ेगी। जागरूकता के अभाव के कारण यह आसानी से सुधारात्मक विकृति बहुत सारे बच्चों में स्थायी विकलांगता का कारण बन जाती है। क्लबफुट एक प्रकार की पैर से संबंधित जन्मजात विकृति (जन्म के समय उपस्थित) होती है जिसमें जन्म के समय से ही बच्चे का पैर उसके सामान्य आकार का नहीं होता है। यह या तो बाहर की ओर या अंदर की ओर मुड़ा होता है। यह नवजात शिशुओं में पायी जाने वाली सबसे आम विकृति है जो हड्डियों और जोड़ों से संबंधित होती है। यह स्थिति सामान्य भी हो सकती है और कुछ परिस्थितियों में यह स्थिति गंभीर भी हो सकती है और शिशु के एक पैर या दोनों पैरों में भी दिखाई दे सकती है।

जन्म के साथ क्लबफुट की संभावना को बढ़ाने वाले ये है जोखिम के कारण

माता या पिता द्वारा धूम्रपान सेवन, गर्भ में एमनियोटिक द्रव की कमी,पहली गर्भावस्था, आनुवंशिक या न्यूरोलॉजिकल समस्याओं के साथ पैदा होने वाले बच्चों में कभी-कभी क्लबफुट का एक अन्य रूप भी देखने मिलता है जो मांसपेशियों के असंतुलन का कारण बनता है। क्लबफुट का इलाज पूरी तरह से किया जा सकता है।

बशर्ते इसका इलाज सही समय पर किया जाए। इस स्थिति के इलाज की प्रक्रिया में शिशु के पैर के प्रभावित हिस्से पर क्रमिक प्लास्टर (अनुक्रमिक मलहम) किया जाता है जो इसके दीर्घकालिक प्रभाव को रोकने में भी सक्षम होता है। वास्तव में सही इलाज के बाद इस विकृति के साथ पैदा हुए बच्चों को भविष्य में किसी भी कार्यात्मक कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ता जन्म के 5-7 दिनों के बाद कास्टिंग शुरू करा देनी चाहिए। उचित समय पर इलाज से लगभग 95-98 प्रतिशत प्रभावित बच्चे पूरी तरह से बिना किसी सर्जिकल सुधार के ठीक हो सकते हैं। यदि गर्भावस्था के दौरान या जन्म के तुरन्त बाद क्लबफुट का निदान कर लिया जाता है, तो इस स्थिति में माता-पिता को चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। यहाँ यह याद रखना अत्यन्त महत्वपूर्ण है कि यदि समय पर इलाज नहीं कराया जाये तो यह स्थिति उम्र के साथ और बिगड़ सकती है, इसलिए बच्चे के स्वस्थ और सामान्य जीवन जीने के लिए शुरुआती चिकित्सा हस्तक्षेप आवश्यक है।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.बी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-२21359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com, RNI NO :- CHHHIN/2018/76480